Shodh International: A Multidisciplinary International Journal (In Hindi)

Vol. 2, Issue 2 - 2017

कानपुर मंडल के विकास एवं रोजगार सृजन पर खाद्य प्रसंस्करण उद्योग का प्रभाव

मीरा यादव*, डॉ. आर. के. दीक्षित**

शोध सारांश

कृषि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग भारत में सबसे बड़ा है, देश के औद्योगिक कार्य बल के लगभग 18% को रोजगार देता है और उत्पादन, खपत, निर्यात और अपेक्षित विकास (मर्चेंट, 2008) के मामले में पांचवें स्थान पर है। भारत उष्णकटिबंधीय फलों, सब्जियों और अन्य कई प्रकार के खाद्य उत्पादों का उत्पादन करता है। खाद्य उत्पादों का प्रसंस्करण फलों और सब्जियों के संरक्षण और प्रभावी उपयोग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भारत का मजबूत कृषि आधार, जलवायु क्षेत्रों की विविधता और आर्थिक विकास में तेजी से खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए महत्वपूर्ण क्षमता है जो कृषि और उपभोक्ताओं के बीच एक मजबूत सम्बंध प्रदान करता है। खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में दो खंड शामिल हैं- प्राथमिक प्रसंस्कृत भोजन और मूल्य वर्धित भोजन। प्राथमिक खंड में डिब्बाबंद फल और सब्जियां, दूध, आटा, चावल, मसाले आदि शामिल हैं और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के मूल्य के संदर्भ में लगभग 62% हैं। मूल्य वर्धित खंड में प्रसंस्कृत फल और सब्जियां, रस, जैम और जेली आदि शामिल हैं और कुल संसाधित भोजन में लगभग 38% हिस्सेदारी है। उत्तर प्रदेश में एवं कानपुर मंडल में फल, सब्जियां, गन्ना, दूध और मांस निर्यात की संभावना व्याप्त हैं। विभिन्न देशों के गुणवत्ता विनिर्देश को ध्यान में रखकर व्यवस्थित प्रयास से राज्य एवं कानपुर मंडल को दूध के उत्पाद, गुड़, चीनी, चावल और मांस आदि वस्तुओं के निर्यात के लिए संभावित स्रोत के रूप में प्रोजेक्ट किया जा सकता है। दाल, गन्ना, अनाज, दूध का उत्पाद मिश्रण और मांस आदि इसके प्रसंस्करण के लिए राज्य की विशेषता हैं। राज्य एवं मंडल से फल और सब्जियों के उत्पादन में उच्च हिस्सेदारी, अचार, जैम, जेली और कैंडी जैसे उद्योगों की एक बड़ी संख्या को शुरू किया जा सकता है।

*शोध छात्रा, अर्थशास्त्र विभाग, सी.एस. जे.एम. यूनिवर्सिटी, कानपुर|

**एसो. प्रोफे. एवं विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग, पी.पी.एन. कॉलेज, कानपुर|

© Eureka Journals 2017. All Rights Reserved. **ISSN: 2581-3501**

शोध प्रविधि

अध्ययन में दो प्रकार के डेटा का उपयोग किया गया, जो केंद्रीय सांख्यिकी संगठन (CSO), सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MOSPI), भारत सरकार द्वारा 2000- 01 से 2014-15 तक प्रकाशित किए गए वार्षिक सर्वे ऑफ़ इंडस्ट्रीज (ASI) का टाइम सीरीज़ डेटा और पैनल डेटा है। जो कि उत्तर प्रदेश स्टेट.कॉम एवं यूपीडीइएस. यूपी.एनआईसी.इन से लिया गया।

अध्ययन में तालिका एक के अनुसार एन आई सी कोड का उपयोग किया गया है, चूँकि अध्ययन में एनआईसी 1998-99 द्वारा परिभाषित 151, 152, 153, 154, 155 और 160 कोड का उपयोग किया गया था। 2008-09 से एनआईसी कोड बदल गए हैं। 2008-09 कोड के साथ एनआईसी 1998-99 कोड की अनुकूलता के लिए, एन आई सी कोड्स निम्न तलिकानुसार विलय किया गया है

तालिका 1

सरल क्रमांक	एनआईसी कोडस	विलय किए गए एनआईसी कोड	उद्योग का नाम
1	151	151=101+102+103+104	उत्पादन, प्रसंस्करण और मांस, मछली, फल, वनस्पति तेलों और वसा का संरक्षण।
2	152	152=105	डेयरी उत्पादों का निर्माण।
3	153	153=106+108	अनाज मिल उत्पाद, स्टार्च और स्टार्च उत्पाद,तैयार पशु फ़ीड का निर्माण।
4	154	154=107	अन्य खाद्य उत्पादों का निर्माण।
5	155	155=110	पेय का निर्माण।
6	160	160=120	तंबाकू उत्पादों का निर्माण।

शोध के मुख्य उद्देश्य

1- उत्तर प्रदेश के कानपुर मंडल में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की संरचना और स्थिति की जांच करना।
2- उत्तर प्रदेश के कानपुर मंडल में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के रोजगार सृजन की वृद्धि और परिमाण की जांच करना।
3- उत्तर प्रदेश के कानपुर मंडल में रोजगार सृजन पर खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के प्रभाव की जांच करना।

प्रस्तावना

उत्तर प्रदेश राज्य के 18 मंडलों में से एक मंडल कानपुर मंडल है जो की 6 जिलों क्रमशः कानपुर नगर, कानपुर देहात, औरैया, इटावा, कन्नौज और फरुखाबाद से मिलकर बना है| उत्तरप्रदेश के औद्योगिक विकास में कानपुर मंडल का उल्लेखनीय योगदान है|

कानपुर मंडल का भौगोलिक क्षेत्रफल 2011 की जनगणना के अनुसार 14943 वर्ग किमी

© Eureka Journals 2017. All Rights Reserved. ISSN: 2581-3501

है तथा कुल जनसँख्या 12880627 है| मंडल की अधिकांश जनसँख्या ग्रामीण क्षेत्रों निवास करती है तथा मुख्य व्यवसाय कृषि है| मंडल में विभिन्न खाद्य फसलों जैसे - चावल, गेंहूँ, जौ, ज्वार, बाजरा, मक्का, दाल, चना, मटर व तिलहनों का प्रचुर मात्रा में उत्पादन होता है तथा प्रसंस्करण कार्य भी किया जाता है|

कानपुर नगर कानपुर मंडल का एक प्रमुख औद्योगिक नगर है, यह नगर गंगा नदी के दक्षिणी तट पर बसा हुआ है| कानपुर नगर एक औद्योगिक शहर है इसे उत्तरप्रदेश की औद्योगिक राजधानी भी कहा जाता है| लेदर सिटी के नाम से मशहूर यह जिला चमड़ा और टेक्सटाइल उद्योग के लिए प्रसिद्ध है तथा इसे भारत का मैनचेस्टर भी कहा जाता है| जिले में अधिक संख्या में लघु, मध्यम एवं बड़ी औद्योगिक इकाईयाँ कार्यरत है| जिले में स्थित प्रमुख उद्योग - टेक्सटाइल उद्योग, लेदर उद्योग, प्लास्टिक उद्योग, केमिकल उद्योग, उर्वरक उद्योग, कृषि आधारित उद्योग, फ़ूड प्रोसेसिंग यूनिट, तेल मिल आदि है|

एक औद्योगिक शहर होने के बाद भी जिले की ग्रामीण अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से कृषि पर निर्भर है, जिले में मक्का, धान, बाजरा, दलहन (चना, उड़द, अरहर) गन्ना, आलू, प्याज आदि का उत्पादन होता है एवं प्राथमिक रूप से प्रसंस्करण कार्य भी किया जाता है| कृषि के अलावा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालन भी किया जाता है| जिले के प्रमुख पशुधन गाय, भैंस, सूअर, बकरी है, पोल्ट्री एवं मछली उत्पादन भी किया जाता है| 2011 की जनगणना के अनुसार जिले का 1.88% हिस्सा ही वन क्षेत्र है जिनमे ढाक, बबूल, इमली, नीम, आम और शीशम आदि वन सम्पदा पायी जाती है ।

कानपुर नगर के अलावा मंडल के अन्य जिलों - कानपुर देहात, औरैया, इटावा, कन्नौज, फर्रुखाबाद आदि जिलों की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से मुख्य रूप से कृषि पर आधारित है| इन जिलों में गेंहू, मक्का, धान, बाजरा, ज्वार, दलहन (चना, उड़द, मूंग, मटर, मसूर और अरहर), कपास, तिलहन, गन्ना, आलू, और सब्जियों का प्रचुर मात्रा में उत्पादन होता है| कृषि के अतिरिक्त पशुपालन एवं मछली पालन भी जिलों के लोगों के लिए आय प्राप्ति का एक साधन है| कृषि आधारित अर्थव्यवस्था होने के कारण एन जिलों में प्रसंस्करण उद्योग विकास के शुरुवाती दौर में है तथा विकास की संभावनाएं असीम हैं|

© Eureka Journals 2017. All Rights Reserved. ISSN: 2581-3501

तालिका 2.कानपुर मंडल का परिचय

क्र. सं.	मद	इकाई	अवधि	जनपद						मंडल योग
				फर्रुखाबाद	इटावा	कानपुर देहात	कानपुर नगर	कन्नौज	औरैया	
1	भौगोलिक क्षेत्रफल	वर्ग किमी	2015	2181	2478	3021	3155	2093	2015	15213
2	कुल जनसँख्या	हज़ार में	2011	1885	1581	1796	4581	1656	1379	12881
3	पुरुष	हज़ार में	2011	1006	846	963	2460	882	740	6897
4	स्त्री	हज़ार में	2011	879	736	833	2121	775	640	5984
5	ग्रामीण जनसंख्या	हज़ार में	2011	1469	1216	1623	1566	1376	1145	8394
6	नगरीय जनसँख्या	हज़ार में	2011	416	366	173	3016	281	234	4487
7	शुद्ध बोया गया क्षेत्रफल	हज़ार हे०	2016-17	173.47	148.65	218.09	154.94	145.11	191.02	1031.28
8	शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल	हजार हे०	2016-17	169.00	133.55	159.04	146.52	130.09	133.50	871.70
9	खाद्यान्न उत्पादन	हज़ार मी.ट	2016-17	354.33	671.76	884.85	400.83	685.54	654.22	3651.53
10	गन्ना	हज़ार	2016-17	466.52	25.90	132.99	8.91	35.98	173.84	844.13
11	तिलहन	हज़ार मी. टन	2016-17	8.54	36.52	38.22	8.81	22.10	18.97	133.17
12	आलू	हज़ार मी. टन	2016-17	1076.49	427.57	88.31	869.61	142.35	178.30	2782.62
13	कुल पशुधन	संख्या	2012	557749	735189	958799	881760	747099	641704	4522300
14	लघु उद्योग इकाइयों की संख्या	संख्या	2017-18	513	1610	382	456	978	6636	10575
15	कार्यरत व्यक्ति	संख्या	2017-18	2854	3662	934	2627	3836	39706	53619

स्रोत: जिला उद्योग मंडलीय पत्रिका

कानपुर मंडल में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के रोजगार सृजन का परिमाण

2000-01 से 2014-15 की अवधि के लिए उत्तर प्रदेश के कानपुर मंडल में कारखानों की संख्या के संबंध में रोजगार सृजन, प्रकृति और पुरुष और महिला के रोजगार की गुणवत्ता की मात्रा की जांच करने के लिए छह

© Eureka Journals 2017. All Rights Reserved. ISSN: 2581-3501

खाद्य प्रसंस्करण विनिर्माण उद्योग के तीन अंकों के डेटा का उपयोग किया है

1-मांस, मछली, फल, सब्जी तेल और वसा उद्योग के उत्पादन, प्रसंस्करण और संरक्षण में रोजगार सृजन

राष्ट्रीय औद्योगिक वर्गीकरण (एनआईसी) के अनुसार, तीन अंकों उत्पादन, प्रसंस्करण और संरक्षण के स्तर पर पहला उद्योग मांस, मछली, फल, सब्जी तेल और वसा (एनआईसी 151) है। इस उद्योग में रोजगार का परिमाण नीचे चित्र:-1 में दिखाई गई है।

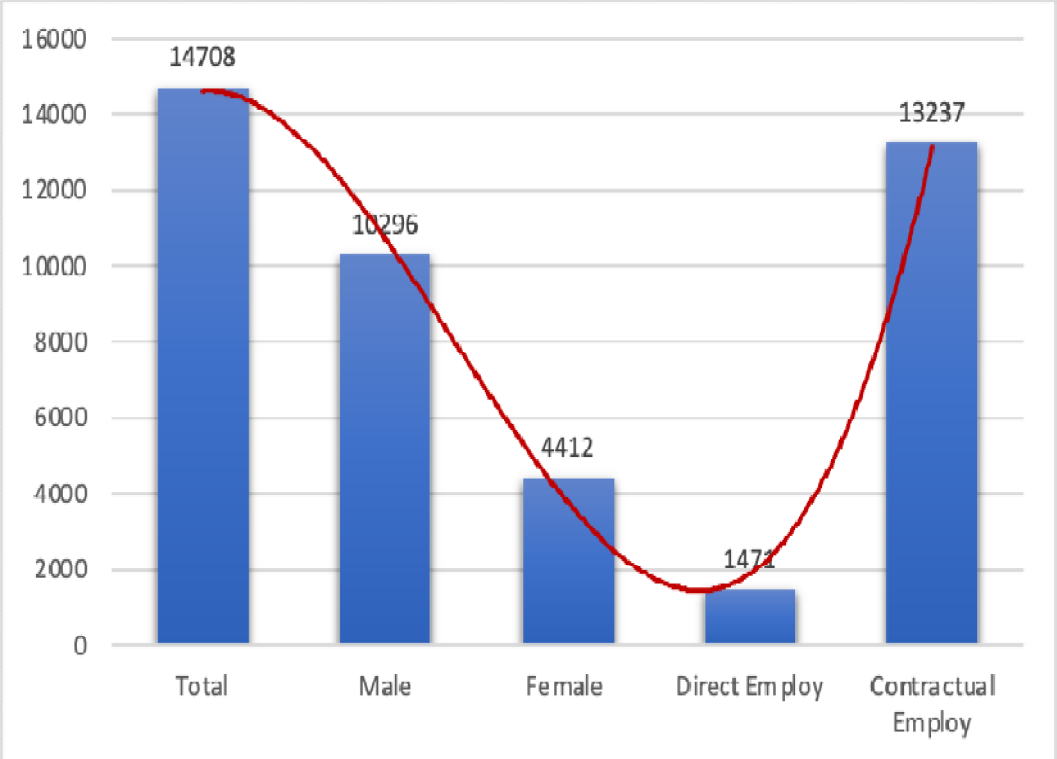

स्रोत: एएसआई डेटा के आधार पर लेखक द्वारा की गई गणना।

चित्र 1.2000-01 से 2014-15 तक मांस, फल, सब्जियों के तेल और वसा उद्योग (151) में रोजगार का परिमाण

चित्र-1 में 2000-01 से 2014-15 की अवधि में कानपुर मंडल में कारखानों में रोज़गार की उपलब्धि के परिमाण को दर्शाया गया है। जो कि कुल व्यक्ति जो सबसेट के साथ समस्त (महिला एवं पुरुष) सीधे नियोजित द्वारा रोज़गार प्राप्त है या फिर ठेकेदारों के माध्यम से रोज़गार प्राप्त किए गए| चित्र-1 के आंकड़े से प्रदर्शित होता है कि, इस उद्योग का रोजगार सृजन में एक उल्लेखनीय योगदान है। उपरोक्त आंकड़ा यह भी दर्शाता है कि महिला की भागीदारी उनके समकक्षों (पुरुषों) से कम है और अनुबंध के माध्यम से रोजगार भी प्रत्यक्ष रोजगार की तुलना में अधिक है। 2000-01 में, कानपुर मंडल में इस उद्योग में कुल व्यक्ति 499 सौ थे, जो 2007 में बढ़कर 1378 हज़ार हो गये । 2008 से 2009 तक, यह रोजगार का आँकड़ा थोड़ा घटकर 1193 हज़ार हो गया था परंतु इसके बाद 2014-15 में यह आँकड़ा घटकर 1187 हज़ार हो गया ।

© Eureka Journals 2017. All Rights Reserved. ISSN: 2581-3501

2- डेयरी उत्पाद उद्योग के निर्माण में रोजगार सृजन:

तीन अंकों के स्तर पर दूसरा उद्योग डेयरी प्रसंस्करण उद्योग (एनआईसी152) है जो कि राष्ट्रीय औद्योगिक वर्गीकरण (एनआईसी) द्वारा वर्गीकृत है। इस उद्योग में रोजगार की स्थिति नीचे चित्र 4.2 में दर्शाया गया है।

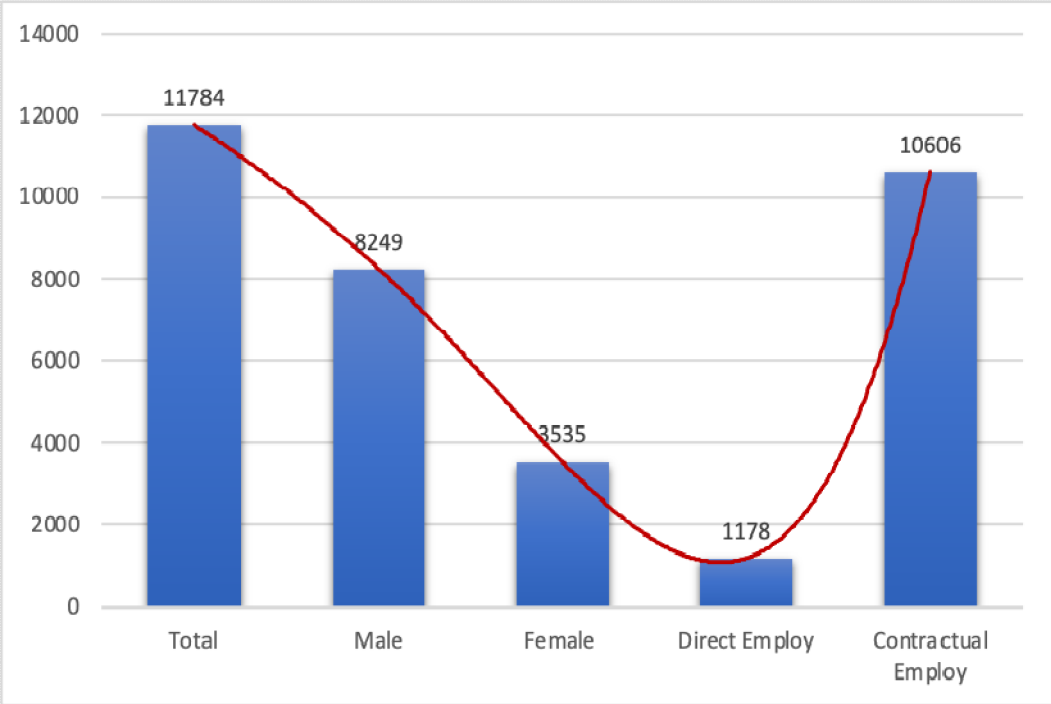

स्रोत: एएसआई डेटा के आधार पर लेखक द्वारा की गई गणना।

चित्र 2.2001-01 से 2014-15 तक डेयरी उत्पाद उद्योग (152) में रोजगार का परिमाण

चित्र -2 के आंकड़े अनुसार कानपुर मंडल में डेयरी खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के निर्माण की रोजगार अवधि 2000-01 से 2014-15 के लिए रोजगार सृजन और कारखानों की संख्या की प्रवृत्ति को दिखाया गया है। आंकड़े से, हम कह सकते हैं कि समय के साथ डेयरी प्रोडक्ट्स के विनिर्माण (एन 152) के रोजगार सृजन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

2000-01 में कुल रोजगार 990 सौ हज़ार थे और 2011 और 2013-14 में यह 839 से बढ़कर 1030 हज़ार हो गया एवं 2014-15 में बढ़कर 1615 हज़ार रह गया। इस उद्योग में, महिलाओं की हिस्सेदारी कम है और संपूर्ण अध्ययन अवधि के दौरान कुल महिला रोजगार केवल 3535 हज़ार है। तथा प्रत्यक्ष नियोजित श्रम संविदात्मक श्रम से थोड़ा अधिक है।

3-अनाज मिल उत्पाद उद्योग में रोज़गार सृजन

तीन अंकों के स्तर पर तीसरा उद्योग अनाज मिल उत्पाद का निर्माण उद्योग (एनआईसी 153) है। नीचे दिया गया चित्र 4.3 इस उद्योग में रोजगार की भयावहता को दर्शाता है।

© Eureka Journals 2017. All Rights Reserved. ISSN: 2581-3501

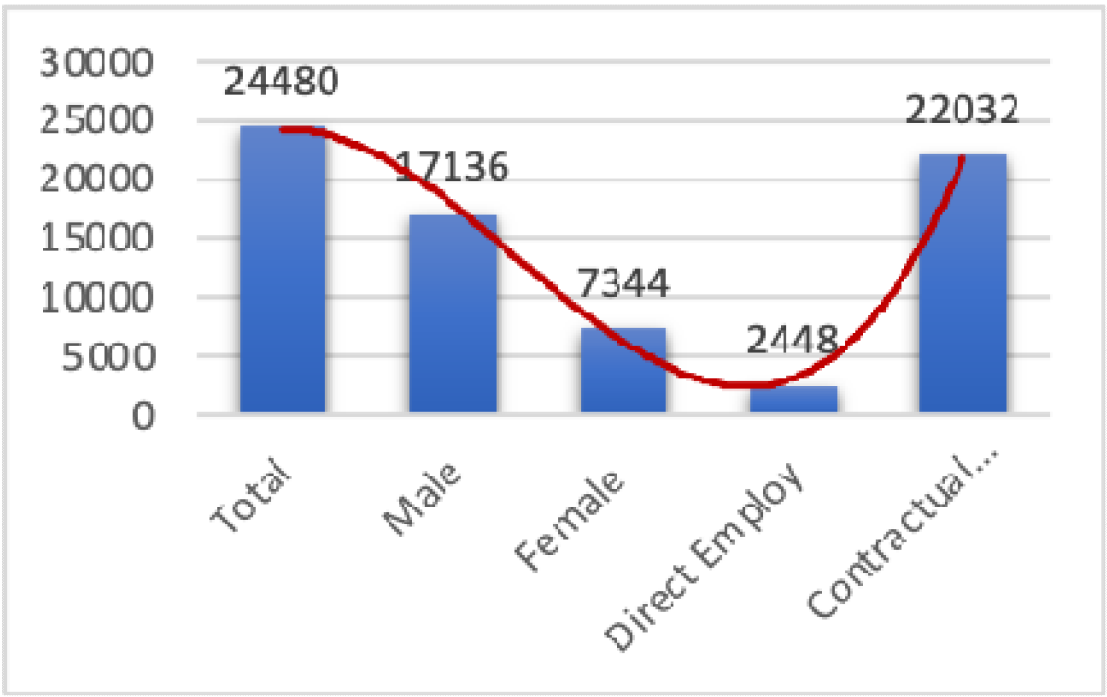

स्रोत: एएसआई डेटा के आधार पर लेखक गणना

चित्र 3.2000-01 से 2014-15 तक अनाज मिल उत्पाद उद्योग (153) में रोजगार का परिमाण

चित्र-3 से इस तथ्य का पता चलता है कि कानपुर मंडल में अनाज मिल उत्पादों, स्टार्च और स्टार्च उत्पादों से तैयार पशु आहार के निर्माण (एनआईसी 153) उद्योग में भारी रोजगार सृजन है। 2000-01 में, उत्तर प्रदेश में कुल रोजगार 759 सौ था और 2002-03 में घटकर 1071 हज़ार हो गया, 2012-13 में, यह 1673 हज़ार था और 2014-15 में घटकर 1291 हज़ार हो गया।

इस उद्योग में महिला रोजगार सृजन की स्थिति अच्छी नहीं है। अध्ययन की पूरी अवधि से, इस उद्योग में केवल 7334 हज़ार महिलाएं नियुक्त की गई हैं, जबकि पुरुष रोजगार 17136 हज़ार है। संविदात्मक रोजगार की स्थिति प्रत्यक्ष रोजगार से थोड़ी बेहतर है।

4-अन्य खाद्य उत्पाद उद्योग के निर्माण में रोजगार सृजन:

यह उद्योग एनआईसी 154 कोड के तहत आता है। इस उद्योग के उत्तर प्रदेश में रोजगार सृजन का परिमाण नीचे दिए गए चित्र-4 में दिखाया गया है।

चित्र 4 के आंकड़े अनुसार पूरे काल की अवधि का अध्ययन करने पर प्राप्त परिणाम अनुसार, इस उद्योग में उत्तर प्रदेश के कानपुर मंडल में कुल रोजगार सृजन 51532 हज़ार था। 2000-01 में कुल रोजगार 1734 हज़ार था और 2009-10 में यह बढ़कर 3985 हज़ार हो गया और 2014-15 में बढ़कर 5562 हज़ार हो गया। तथा इस उद्योग में कार्यरत महिला 15460 हज़ार और पुरुष 36072 हज़ार थे एवं अनुबंध के माध्यम के मुक़ाबले प्रत्यक्ष रूप से नियोजित श्रमिक संख्या में कम है

© Eureka Journals 2017. All Rights Reserved. ISSN: 2581-3501

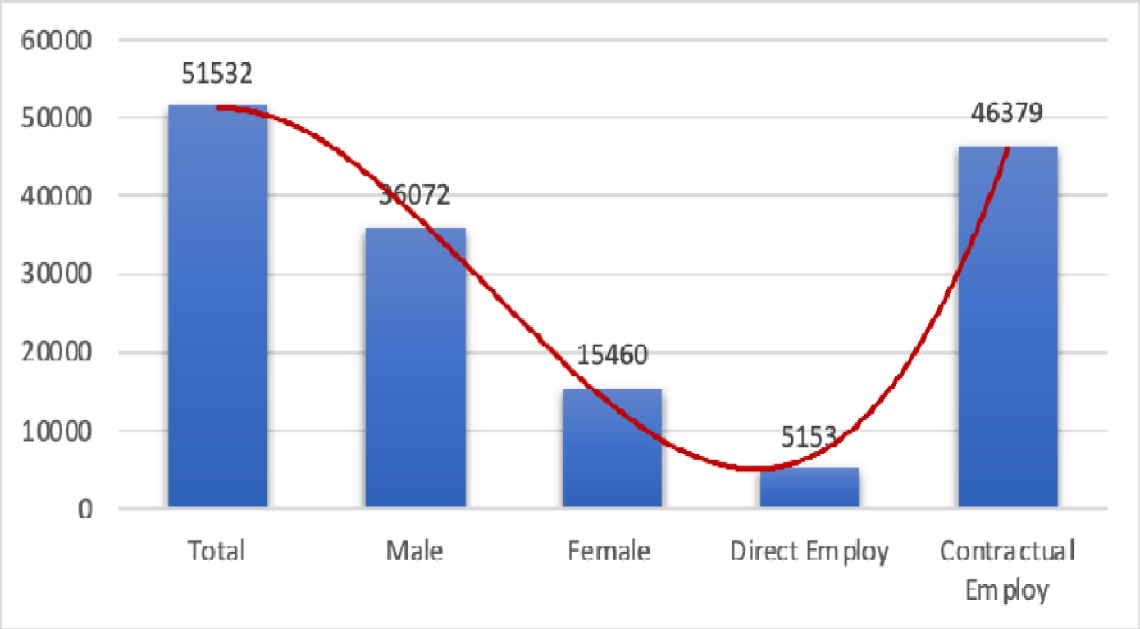

स्रोत: एएसआई डेटा के आधार पर लेखक गणना।

चित्र 4.2000-01 से 2014-15 तक अन्य खाद्य उत्पाद उद्योग (154) में रोजगार का परिमाण

5- बेवरेजेज प्रोडक्ट्स उद्योग के निर्माण में रोजगार सृजन

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में पांचवां उद्योग पेय उत्पादों (एनआईसी 155) का निर्माण है। इस उद्योग में रोजगार सृजन का रोजगार सृजन का परिमाण नीचे दिए गए चित्र-5 में दिखाया गया है।

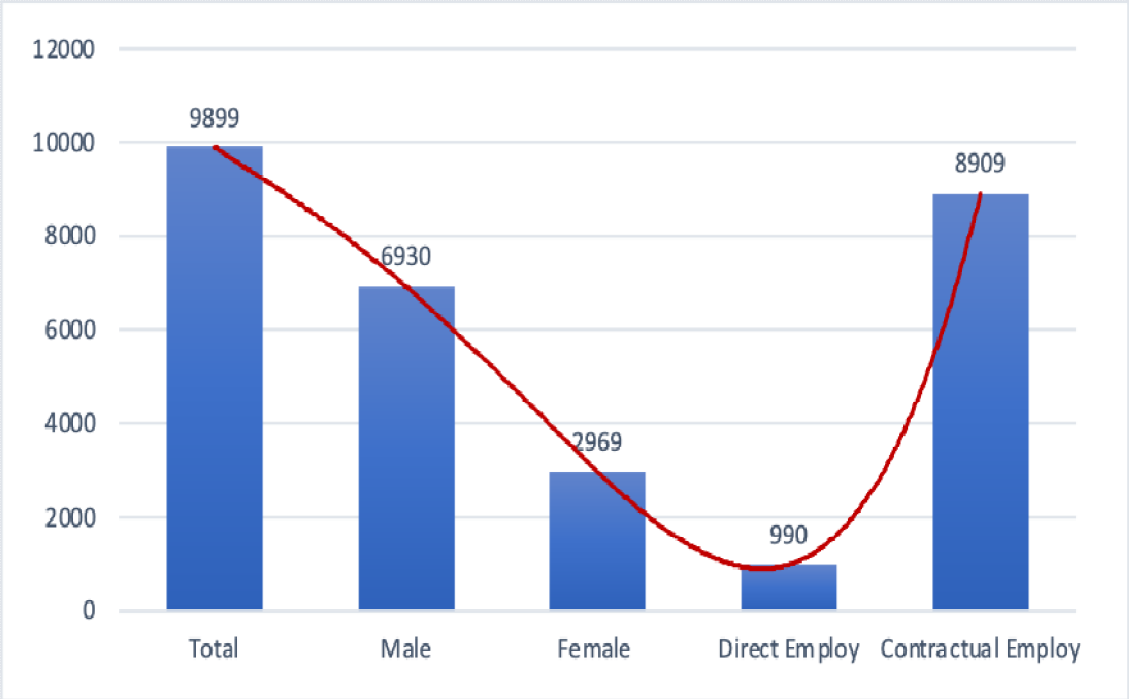

स्रोत: एएसआई डेटा के आधार पर लेखक गणना।

चित्र 5.बेवरेजेज प्रोडक्ट्स इंडस्ट्री (155) में 2000-01 से 2014-15 तक रोजगार का परिमाण

© Eureka Journals 2017. All Rights Reserved. ISSN: 2581-3501

चित्र-5 के आंकड़े अनुसार पूरे काल की अवधि का अध्ययन करने पर प्राप्त परिणाम अनुसार, चित्र-5 इस तथ्य को दर्शाता है कि, इस उद्योग द्वारा उत्तर प्रदेश के कानपुर मंडल में 2000-01 से 2014-15 की अवधि के लिए अद्भुत रोजगार का सृजन किया गया था । 2000-01 में इस उद्योग में कुल रोजगार 579 सौ थे और 2011-12 में यह बढ़कर 1013 हज़ार हो गया और 2014-15 में घट कर मात्र 189 सौ हो गया।

इस उद्योग में महिला को उनके पुरुष समकक्ष की तुलना में रोजगार केवल 2969 हज़ार है जो कि संपूर्ण अध्ययन अवधि के लिए 3885 हज़ार रहा है। इस क्षेत्र में सीधे नियोजित की तुलना अनुबंध के माध्यम से रोजगार के अवसर थोड़ा अधिक है|

6-तंबाकू उत्पाद उद्योग के निर्माण में रोजगार सृजन

इस उद्योग का कोड NIC 160 है। इस उद्योग में रोजगार सृजन का रोजगार सृजन का परिमाण नीचे दिए गए चित्र 4.6 में दिखाया गया है।

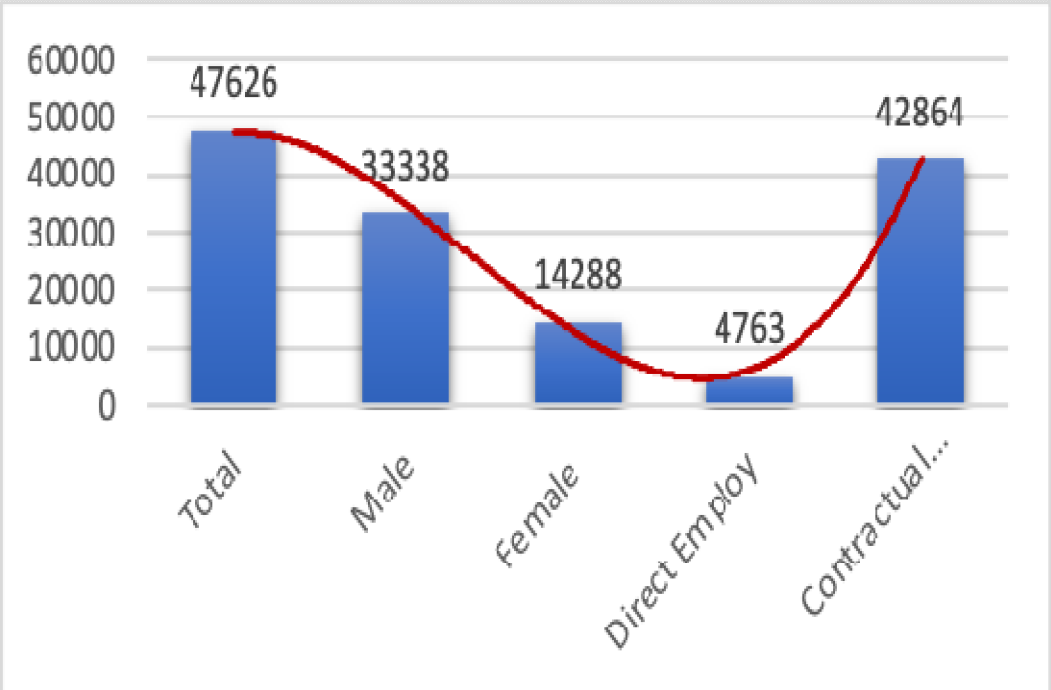

स्रोत: एएसआई डेटा के आधार पर लेखक गणना।

चित्र 6.2001-01 से 2014-15 तक तम्बाकू उत्पाद उद्योग (160) में रोजगार का परिमाण

चित्र-6 के आंकड़े अनुसार पूरे काल की अवधि का अध्ययन करने पर प्राप्त परिणाम अनुसार, चित्र- 6 इस तथ्य को प्रकट करता है कि, 2000-01 से 2014-15 की अवधि के लिए तंबाकू उत्पाद उद्योग द्वारा इस क्षेत्र में रोजगार उत्पन्न करने में एक महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस उद्योग द्वारा उत्पन्न कुल रोजगार 2000-01 से 2014-15 तक अध्ययन अवधि के लिए कानपुर मंडल में 47626 हज़ार था। 2011-12 में इस उद्योग में कुल रोजगार 5729 हज़ार था और 2014-15 में बढ़कर 5995 हज़ार हो गया।

© Eureka Journals 2017. All Rights Reserved. ISSN: 2581-3501

इस उद्योग में महिला को रोजगार उनके समकक्ष पुरुष साथी की तुलना में केवल 14288 हज़ार था जो कि संपूर्ण अध्ययन अवधि के लिए 21371 हज़ार है। इस क्षेत्र में सीधे नियोजित की तुलना अनुबंध के माध्यम से रोजगार के अवसर काफ़ी अधिक है।

कानपुर मंडल में खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों में रोज़गार सृजन की वार्षिक वृद्धि दर

तालिका -3 से इस तथ्य का पता चलता है कि समय के साथ-साथ रोजगार सृजन के इस क्षेत्र में सकारात्मक और नकारात्मक वृद्धि हुई है। सर्वाधिक नकारात्मक रोजगार वृद्धि दर डेयरी उद्योग में रही है तथा 2011-12 के बाद इस उद्योग क्षेत्र में सकारात्मक वृद्धि हुई है। इसके अलावा मांस, फल, सब्जियां प्रसंस्करण, अनाज प्रसंस्करण, पेय पदार्थ व तम्बाकू उद्योग में कुछ वर्षों को छोड़कर लगभग सभी वर्षों में रोजगार सृजन की वृद्धि दर सकारात्मक रही है।

तालिका 3.2001-01 की तुलना में वर्ष 2014-15 तक खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की रोजगार सृजन की वार्षिक वृद्धि दर प्रतिशत में

वर्ष	मांस, फल और सब्जियां	डेयरी	ग्रेन मिल्स	अन्य	पेय पदार्थ	तम्बाकू
2000-01	-	-	-	-	-	-
2001-02	10.62	-46.06	9.75	-2.31	-0.69	75.5
2002-03	28.66	-50.81	41.11	22.84	-48.19	40.72
2003-04	46.49	-41.11	93.81	53.06	13.3	1.34
2004-05	82.16	-50	178.66	65.11	-13.47	-27.84
2005-06	107.01	-50.4	290.12	90.95	-6.22	68.14
2006-07	95.39	-50.61	338.21	90.37	20.21	35.28
2007-08	176.15	-49.8	255.47	151.21	34.2	-193.5
2008-09	139.08	-22.83	127.67	158.13	37.48	-12.96
2009-10	91.98	-19.39	12.52	129.82	2.42	-4.77
2010-11	97.39	-15.25	39	133.97	16.93	12.29
2011-12	213.63	-3.03	-3.69	115.17	74.96	384.78
2012-13	145.69	4.04	152.17	93.6	74.27	5.27
2013-14	75.35	22.42	120.42	149.19	71.85	220.74
2014-15	137.88	63.13	70.09	220.76	-67.36	-203.8

एएए एस आई डेटा के आधार पर लेखक गणना।

© Eureka Journals 2017. All Rights Reserved. ISSN: 2581-3501

निष्कर्ष एवं सुझाव

उपर्युक्त विवरण से स्पष्ट है कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग कानपुर मंडल के रोज़गार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है| रोज़गार सृजन की वार्षिक वृद्धि दर भी वर्तमान में बढ़ रही है परन्तु रोज़गार सृजन की इस वृद्धि दर को और भी बढाया जा सकता है, इसके लिए आवश्यक है कि असंगठित क्षेत्र से प्रसंस्करण उद्योग को संगठित क्षेत्र में लाया जाये तथा खाद्य उत्पादों के अपव्यय को कम करके संरक्षण की आधुनिकतम तकनीकों को अपनाया जाये तथा इन तकनीकों को स्थानीय स्तर पर भी सुलभ कराया जाये| श्रमिकों को प्रशिक्षण एवं ट्रेनिंग की सुविधा प्रदान की जाये यदि इन सभी उपायों को प्रभावी तरीके से अपनाया जाये तो खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के विकास में वृद्धि होगी| साथ ही साथ प्राथमिक क्षेत्र में लगे, कृषकों एवं ग्रामीण निवासियों के जीवन स्तर एवं आय में वृद्धि होगी|

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. लक्ष्मी नारायण, (2003), भारतीय उद्योगों में उत्पादकता और मजदूरी, (नई दिल्ली: डिस्कवरी पब्लिशिंग हाउस)।
2. त्रिपाठी, के.के. (2006), "भारत में प्रसंस्कृत खाद्य उद्योग: संभावित और अड़चनें", कुरुक्षेत्र, 54 (6), पीपी। 12-16।
3. उत्तर प्रदेश सरकार, “खाद्य प्रसंस्करण औद्योगिक नीति 2012”, उद्योग बंधु, उत्तर प्रदेश सरकार http://www.udyogbandhu.com/DataFiles/CMS/file/Food_processing_ policy_english.pdf।
4. भारत सरकार, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन (2013), "भारत में रोजगार और बेरोजगारी के प्रमुख संकेतक", 2011-12, नई दिल्ली।
5. MOFPI (2014), मंत्रालय वार्षिक रिपोर्ट 2013-14, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली http://www.mofpi.nic.in।
6. भारत सरकार, भारत में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय: निवेश और अवसर, नई दिल्ली।
7. https://kanpurnagar.nic.in
8. www.updesco.up.nic.in.

© Eureka Journals 2017. All Rights Reserved. **ISSN: 2581-3501**